

10/1 प्रस्तावली पेश हुई। आभ्यासक सब के  
कारण अदालत में जारी का प्रमाण के रूप  
रखा है। प्रस्तावली का नंबर साधुसाध  
दिनांक 31/3/22 का पेश हो ५

31 <sup>3</sup>/<sub>22</sub>

प्रस्तावली पेश हुई। प्रार्थीजिन व वकील प्रार्थी अदालत  
कार-कार अवाज दिलवायी गयी। अवाज दिलवायी  
जाने के बाद भी प्रार्थीजिन की ओर से कोई  
उपस्थित नहीं आया। अतः प्रार्थीजिन का प्रार्थन  
पत्र आन्वार्ड मिजेधरता अदालत हाजरी अदालत में रखी  
में खारीज किया जाता है। प्रस्तावली के मूल शुमार  
होकर नम्बर से कम होकर दफ्तर दाखिल है।

(12)

(बृजेश कुमार)  
इपसग्रह अधिकारी  
नौबतवायाना (सीकर)